Devadikritam Shri Krishna Stotram

देवादिकृतं श्रीकृष्णस्तोत्रम्

Document Information

Text title : Devadikritam Shri Krishna Stotram

File name : devAdikRRitaMshrIkRRiShNastotram.itx

Category : vishhnu, vishnu, krishna, brahmapurANa, stotra

Location : doc_vishhnu

Proofread by : PSA Easwaran

Description/comments : brahmapurANa | adhyAya 59/34-72||

Latest update : September 28, 2024

Send corrections to : sanskrit at cheerful dot c om

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

Please help to maintain respect for volunteer spirit.

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

September 28, 2024

sanskritdocuments.org

Devadikritam Shri Krishna Stotram

देवादिकृतं श्रीकृष्णस्तोत्रम्

(देवादय ऊचुः)
जय जय लोकपाल भक्तरक्षक जय जय प्रणतवत्सल
जय जय भूतचरम जय जयाऽऽदिदेव बहुकारण
जय जय जयासुरसंहरण जय जय दिव्यमीन
जय जय त्रिदशवर जय जय जलधिशयन ॥ ४९(१)
जय जय योगिवर जय जय सूर्यनेत्र
जय जय देवराज जय जये कैटभारे
जय जय वेदवर जय जय कूर्मरूप
जय जय यज्ञवर जय जय कमलनाभ
जय जय शैलचर ॥ ४९(२)
जयजय योगशायिन् जय जय जय वेगधर
जय जय विश्वमूर्ते जय जय चक्रधर
जय जय भूतनाथ जय जय धरणीधर
जय जय शेषशायिन्जय जय पीतवासः
जय जय सोमकान्त ॥ ४९(३)
जय जय योगवास जय जय सुखनिवास
जय जय धर्मकेतो जय जय महीनिवास
जय जय गहनचरित्र जय जय योगिगम्य
जय जय मखनिवास ॥ ४९(४)
जय जय वेदवेद्य जय जय शान्तिकर
जय जय योगिचिन्त्य जय जय पुष्टिकर
जय जय ज्ञानमूर्ते जय जय कमलाकर ॥ ४९(५)
जय जय भवावेद्य जय जय मुक्तिकर
जय जय विमलदेह जय जय सत्त्वनिलय
जय जय गुणसमृद्ध जय जय यज्ञकर

जय जय गुणविहीन जय जय मोक्षकर
जय जय भूशरण्य ॥ ४९(६)
जय जय कान्तियुत जय जय लोकशरण्य
जय जय लक्ष्मीयुत जय जय पङ्कजाक्ष
जय जय सृष्टिकर जय जय योगयुत
जय जयातसीकुसुमश्यामदेह जय जय समुद्रविष्टदेह
जय जय लक्ष्मीपङ्कजषड्वरण ॥ ४९(७)
जय जय भक्तवश जय जय लोककान्त
जय जय परमशान्त जय जय परमसार
जय जय चक्रधर जय जय भोगियुत
जय जय नीलाम्बर जय चजय शान्तिकर
जय जय मोक्षकर जय जय कलुषहर ॥ ४९(८)।
जय कृष्ण जगन्नाथ जय सङ्कर्षणानुज ।
जय पद्मपलाशाक्ष जय वाञ्छाफलप्रद ॥ ५०॥

जय मालावृतोरस्क जय चक्रगदाधर ।
जय पद्मालयाकान्त जय विष्णो नमोऽस्तु ते ॥ ५१॥

ब्रह्मोवाच ।
एवं स्तुत्वा तदा देवाः शक्राद्या हृष्टमानसाः ।
सिद्धचारणसङ्घाश्च ये चान्ये स्वर्गवासिनः ॥ ५२॥

मुनयो वालखिल्याश्च कृष्णं रामेण सङ्गतम् ।
सुभद्रां च मुनिश्रेष्ठाः प्रणिपत्याम्बरे स्थिताः ॥ ५३॥

इति ब्रह्मपुराणे पञ्चषष्टितमाध्यायान्तर्गतं
देवदिकृतं कृष्णस्तोत्रं समाप्तम् ।

ब्रह्मपुराण । अध्याय ५९/३४-७२॥

brahmapurANa . adhyAya 59/34-72..

Proofread by PSA Easwaran

Devadikritam Shri Krishna Stotram

pdf was typeset on September 28, 2024

Please send corrections to *sanskrit@cheerful.com*